समाज शास्त्र

बी०ए० II

बुजुर्गों की समस्याएँ –

वर्तमान भारत की एक प्रमुख समस्या 'बुजुर्गों की समस्या (Problem of Elderly) प्रत्येक जीवित व्यक्ति स्थिति को प्राप्त करता है। बचपना किशोरावस्था, युवावस्था प्रौढावस्था के बाद वृद्धावस्था का आना तय है। इस अवस्था में व्यक्ति शारीरिक मानसिक व आर्थिक रूप से कमजोर हो जाता है।

बुजुर्गों की प्रमुख समस्याएँ

भारतीय समाज के बुजुर्गों की प्रमुख समस्याए हैं।

स्वास्थ्य की पारिवारीक उपेक्षा की, आर्थिक असुरक्षा, अकेलेपन की व मानसिकता का आदि – आदि सभी बुजुर्गों की समस्या एक समान नही है, जैसे – नौकरीहार बुजुर्गो की उन बुजुर्गों से भिन्न है जिन परिवारो में वृद्धजन पारिवारिक कार्यों – बच्चो की देख रेख आदि – में सहयोगी बनते है।

उपेक्षा की समस्या – बुजुर्गों की सर्वाधिक

प्रमुख समस्या उपेक्षा की है अधिकांश परिवारो के बुजुर्गो अपने को उपेक्षित महसूस करते है उनकी बातो का अनसुनी करना उनके विचारो को महत्व पूर्ण न मानना आज के भौतिक वादी युग मे युवा एवं युवतियों के द्वारा घर मे बुजुर्गो का अपमान आम बात बन चुकी है।

मानसिक असुरक्षा की समस्या —

बुजुर्गो की प्रमुख समस्या मानसिक रूप से असुरक्षित होते है। परिवार के अन्य सदस्य अपने - अपने कार्यो के सन्दर्भ मे बुजुर्गो को घर छोड़कर बाहर चले जाते है। कुछ खास परिवारो मे बुजुर्गो की देखभाल के लिए नौकर की व्यवस्था की जाती है ये नौकर यदा- कदा बुजुर्गो की हत्या कर सम्पत्ति लूटकर चल बनते है।

अकेलेपन की समस्या — बुजुर्गो की एक प्रमुख समस्या अकेलेपन है भारत मे जैसे- जैसे पाश्चात्यीकरण

आधुनिकीकरण, औद्योगीकरण व नगरीकरण का विकास हुआ वैसे-वैसे बुजुर्ग अकेले होते चले गये।

4- स्वास्थ्य की समस्या — वृद्धजनो की एक प्रमुख समस्या स्वास्थ्य से जुड़ी इस अवस्था में आँख नाक कान व पाचन क्रिया से सम्बन्धित अनेक बीमारिया आम तौर अक्षिण रोग की बात तो अलग ही है। जहाँ आर्थिक अभाव नहीं है।

मनोरंजन की समस्या — वृद्धजनो की एक खास समस्या मनोरंजन की आज अधिकांश परिवारो के बुजुर्ग घर में कैद